**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**उच्‍चतर शिक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्याः 414**

**उत्तर देने की तारीखः 13.12.2018**

**विद्यार्थियों के लिए नए व्यावसायिक कार्यक्रम**

**414. श्री रंजिब बिस्वालः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस शैक्षिक सत्र से विद्यार्थियों हेतु कुछ नए व्यावसायिक कार्यक्रमों को शुरू करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन कार्यक्रमों के उद्देश्य/लक्ष्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में विश्वविद्यालयों/विद्यालयों सहित सभी हितार्थियों से परामर्श किया है;

(घ) यदि हां, तो उनके द्वारा व्यक्त विचारों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उन संस्थानों के नाम क्या हैं जहां इन कार्यक्रमों को शुरू किया गया है/शुरू किया जाना प्रस्तावित है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ. सत्य पाल सिंह)**

(क): जी, हां। कार्यक्रम, उच्‍च शिक्षा युवा शिक्षुता एवं कौशल योजना (श्रेयास) विचाराधीन है। इसका उद्देश्य व्यावसायिक कौशल को शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ना है।

(ख) से (ड.): प्रथम चरण में, अंतिम वर्ष में उत्तीर्ण होने वाले सभी डिग्री छात्रों को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की क्षेत्र कौशल परिषदों द्वारा पहचान की गई जॉब रोल की सूची से इनके चुने गए क्षेत्र में छह माह का प्रशिक्षुता विकल्प प्रदान किया जाएगा। इच्‍छुक और चुने गए छात्र इनकी प्रशिक्षुता अवधि के दौरान वृत्ति प्राप्त करेंगे और अवधि के अंत में प्रमाणपत्र प्राप्त करेंगे।

द्वितीय चरण में, मौजूदा व्यावसायिक स्नातक (बी.वोक) पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षुता को मिलाया जाएगा और इसके अतिरिक्त, नए पाठ्यक्रम, बीए (व्यावसायिक), बीएससी (व्यावसायिक), बी.कॉम (व्यावसायिक) शुरू किया जाएगा जिसमें प्रशिक्षुता के माध्यम से सामान्य पाठ्यचर्या और व्यावसायिक प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इनकी नियोजनीयता में वृद्धि करने के लिए छात्रों के लाभ के लिए विभिन्न व्‍यवसायों में प्रशिक्षुता एम्बेडेड पाठ्यक्रम भी तैयार किए जाएंगे।

यूजीसी और कौशल विकास में शामिल चुनी गई संस्थाओं से विचार-विमर्श किया गया है और इस विचार की प्रतिक्रिया प्रोत्साहित करने वाली है।

\*\*\*\*\*